

1431. राजस्थान की प्राचीन रियासत के संदर्भ में कांसा परोसा क्या था?

- (a) सिंचाई की एक किस्म
- (b) इनमें से कोई नहीं
- (c) एक प्रकार की लगान (कर)
- (d) भूमि का एक प्रकार

पटवार 2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-III

**Ans. (c)** राजस्थान की प्राचीन रियासत के संदर्भ में कांसा परोसा एक प्रकार का कर है। विवाह और मृत्युभोज के अवसर पर किसानों से कांसा परोसा वसूला जाता था।

1432. राजस्थान में उत्पादन क्षमता के आधार पर भूमि के प्रकार हकत-बहत का अर्थ है-

- (a) सिंचाई एवं कृषि के लिए उपयुक्त भूमि
- (b) गाँव के समीप चक भूमि (संलग्न)
- (c) संपूर्ण वर्ष खेत को बिना खेती के छोड़ना
- (d) नहर द्वारा सिंचित भूमि

पटवार -2020 (23 अक्टूबर, 2021)

**Ans. (a)** राजस्थान में उत्पादन क्षमता के आधार पर भूमि को कई प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है।

- हकत- बकत - जोती जाने वाली भूमि या सिंचाई एवं कृषि के लिए उपयुक्त भूमि
- चाही- - कुओं, नहरों, नदियों तथा तालाबों से सिंचित भूमि
- गोरमा - गाँव के समीप वाली भूमि
- चरणोत - गाँव के सभी पशुओं के लिए सार्वजनिक रूप से चरने के लिए छोड़ी गयी भूमि

1433. राजस्थान का मुख्य सोयाबीन उत्पादक कृषि जलवायु खण्ड है-

- (a) आर्द्र दक्षिणी मैदान
- (b) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदान
- (c) आर्द्र दक्षिणी-पूर्वी मैदान
- (d) अर्द्ध-शुष्क पूर्वी मैदान

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

**Ans. (c)** सोयाबीन की खेती मुख्य रूप से राजस्थान के आर्द्र दक्षिणी- पूर्वी मैदान में की जाती है।

सोयाबीन में 42% प्रोटीन, 22% तेल, 21% कार्बोहाइड्रेट होता है। सोयाबीन का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश राज्य में किया जाता है। सोयाबीन को गोल्डन बीन्स भी कहा जाता है यह लैग्यूम परिवार से संबंधित है। इसका मूल स्थान पूर्वी एशिया है। यह प्रोटीन के साथ-साथ रेशे का भी उच्च स्रोत है।

1434. अफीम की खेती राजस्थान के किन जिलों में की जाती है-

- (a) सिरौही एवं जालौर
- (b) भीलवाड़ा एवं उदयपुर
- (c) चित्तौड़गढ़ एवं झालावाड़
- (d) अलवर एवं भरतपुर

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

**Ans. (c)** अफीम की खेती राजस्थान के चित्तौड़गढ़ और झालावाड़ जिलों में होती है। अफीम का वैज्ञानिक नाम पपवर सोम्नीफेरम है। इसके सेवन करने से मादकता आती है। अफीम में 12% तक मार्फीन पाया जाता है जिसको प्रसंस्कृत करके हैरोइन नामक मादक ड्रग तैयार किया जाता है।

1435. राजस्थान में सरसों के सबसे बड़े उत्पादक हैं-

- (a) कोटा, जयपुर, धौलपुर
- (b) श्रीगंगानगर, अलवर, भरतपुर
- (c) टोक, बूँदी, जालौर
- (d) अजमेर, पाली, दौसा

LDC Exam 09.08.2018

**Ans. (b)** राजस्थान में सरसों के सबसे बड़े उत्पादक जिले हैं- श्रीगंगानगर, अलवर, भरतपुर।

सरसों उत्पादन में राजस्थान का प्रथम स्थान है। राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र सेवर (भरतपुर) में स्थित है।

1436. 2017-18 में राजस्थान में दालों का अनुमानित उत्पादन कितना है?

- (a) 36.50 लाख टन
- (b) 35.30 लाख टन
- (c) 36.30 लाख टन
- (d) 35.50 लाख टन

LDC Exam 12.08.2018

**Ans. (b)** राजस्थान में 2017-18 में 35.30 लाख टन दाल का उत्पादन होने का अनुमान था। दलहन उत्पादन में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान की द्वितीय स्थान है। राजस्थान में कुल 4.31 मिलियन टन दलहन उत्पादन (2020-21) हुआ था। राजस्थान के सकल राज्य मूल्य वर्धन (GSVA) में प्रचलित कीमतों पर वर्ष 2021-22 में, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों का योगदान 28.56% प्रतिशत है।

1437. 2015-16 में राजस्थान का सर्वाधिक बाजरा उत्पादक जिला कौन सा था?

- (a) जयपुर
- (b) जोधपुर
- (c) अलवर
- (d) नागौर

LDC Exam 16.09.2018

**Ans. (c)** 2015-16 में अलवर राजस्थान का सर्वाधिक बाजरा उत्पादक जिला था। राज्य का बाजरे के उत्पादन व क्षेत्रफल दोनों दृष्टि से प्रथम स्थान है। वर्ष 2021-2022 में राजस्थान का देश को कुल बाजरा उत्पादन में 45 प्रतिशत का योगदान है। राजस्थान में बाजरा अनुसंधान केन्द्र बाड़मेर में स्थित है। वर्तमान में सर्वाधिक बाजरा उत्पादक जिला बाड़मेर है।

1438. राजस्थान के किन जिलों में "किन्नो का अधिकतम उत्पादन होता है?

- (a) जयपुर व अजमेर
- (b) गंगानगर व हनुमानगढ़
- (c) दौसा व सवाई माधोपुर
- (d) डूंगरपुर व बांसवाड़ा

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा-2018

**Ans. (b)** राजस्थान के गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में किन्नो का अधिकतम उत्पादन होता है। किन्नो के उत्पादन के लिए अर्द्धशुष्क जलवायु चाहिए। पानी का पीएच मान 7.50 होना चाहिए। सीकर, झुंझनू, नागौर, अलवर आदि जिलों में भी इसके उत्पादन की शुरुआत की गयी है।